PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Wed, 14 Jun 2017, Page 5
Width: 16.14 cms, Height: 14.00 cms, a4, Ref: 44.2017-06-14.47

'मेक इन इंडिया' को साकार करेंगे छात्र

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): लोगों की ऐसी धारणा थी कि अमीर लोगों के बच्चे ही अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं और कीर्तिमान रच सकते हैं लेकिन उनकी इस धारणा को तोड़ा है दिल्ली के कुछ होनहार छात्रों ने। आर्थिक तंगी के बावजूद इन बच्चों ने 12वीं कक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इन छात्रों की पढ़ाई के प्रति लगन और माता-पिता की मेहनत को देखते हुए केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने 86 छात्रों को 'गुण गौरव' सम्मान से नवाजा।

फोटो : सुभाष चोपड़ा

मानव संसाधन विकास मंत्रालय और सीबीएसई की तरफ से आयोजित 'गुण गौरव सम्मान' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर।

छात्रों को सम्मान देते हुए उनके भविष्य के बारे में भी पूछा गया। जावड़ेकर ने बच्चों से उनके परिवार की स्थिति के बारे में पूछा तो इस पर किसी छात्र ने बताया कि उसके पिता ड्राइवर हैं तो किसी का कहना था कि उसके पिता दुकान चलाते हैं। साथ ही बच्चों ने अपने भविष्य के प्लान के बारे में भी बताया। बच्चों ने बताया कि वह चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील, आईएएस और कई बड़े पदों पर विराजमान होना चाहते हैं। इस पर जावड़ेकर ने कहा कि यह छात्र मेक इन इंडिया के सपने को पूरा करेंगे। यह हमारे देश का भविष्य हैं। प्रधानमंत्री ने उज्ज्वल भारत का जो सपना देखा है उसे यह छात्र ही पूरा करेंगे। मानव संसाधन विकास मंत्रालय और सीबीएसई के तरफ से आयोजित 'गुण गौरव' सम्मान कार्यक्रम का यह दूसरा वर्ष है, जिसमें सालाना 5 लाख तक की आय वाले परिवारों से आने वाले छात्रों को गुण गौरव सम्मान से नवाजा गया जाता है। 86 छात्रों में 95 प्रतिशत से ज्यादा हासिल करने वाले 45 छात्र सरकारी स्कूल और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल से आते हैं। इनमें से 31 केंद्रीय विद्यालय के छात्र हैं और 10 छात्र नवोदय विद्यालय से हैं।